कक्षा - 12

इतिहास

भाग - 2

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

अध्याय - 7

एक साम्राज्य की राजधानी: विजयनगर

LET'S LEARN TOGETHER

भाग - 3

Pritesh Joshi

क़िलेबंदियाँ तथा सड़कें

- पंद्रहवीं शताब्दी में फ़ारस के शासक द्वारा कालीकट (कोज़ीकोड) भेजा गया दूत अब्दुर रज़्ज़ाक विजय नगर राजधानी क्षेत्र की क़िलेबंदी से बहुत प्रभावित हुआ और उसने दुर्गों की सात पंक्तियों का उल्लेख किया।
- इनसे न केवल शहर को बल्कि कृषि में प्रयुक्त आसपास के क्षेत्र तथा जंगलों को भी घेरा गया था।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- सबसे बाहरी दीवार शहर के चारों ओर बनी पहाड़ियों को आपस में जोड़ती थी।
- गारे या जोड़ने के लिए किसी भी वस्तु का निर्माण में कहीं भी प्रयोग नहीं किया गया था। पत्थर के टुकड़े फानाकार थे, जिसके कारण वे अपने स्थान पर टिके रहते थे।
- दीवारों के अंदर का भाग मिट्टी और मलवे के मिश्रण से बना हुआ था।

LET'S LEARN TOGETHER

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- वर्गाकार तथा आयताकार बुर्ज़ बाहर की ओर निकले हुए थे।
- अब्दुर रज़्ज़ाक लिखता है कि, "पहली, दूसरी और तीसरी दीवारों के बीच जुते हुए खेत, बग़ीचे तथा आवास हैं"।
- इन कथनों की आज के पुरातत्त्वविदों द्वारा पुष्टि की गई है, जिन्होंने धार्मिक केंद्र तथा नगरीय केंद्र के बीच एक कृषि क्षेत्र के साक्ष्य खोज निकाले हैं।

LET'S LEARN TOGETHER

❖ आपके विचार में कृषि-क्षेत्रों को क़िलेबंद भूभाग में क्यों समाहित किया जाता था?

अक्सर मध्यकालीन घेराबंदियों का मुख्य उद्देश्य प्रतिपक्ष को खाद्य सामग्री से वंचित कर समर्पण के लिए बाध्य करना होता था।

आम तौर पर शासक ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए क़िलेबंद क्षेत्रों के भीतर ही विशाल अन्नागारों का निर्माण करवाते थे।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- दूसरी क़िलेबंदी नगरीय केंद्र के आंतरिक भाग के चारों ओर बनी हुई थी, और तीसरी से शासकीय केंद्र को घेरा गया था जिसमें महत्त्वपूर्ण इमारतों के प्रत्येक समूह को अपनी ऊँची दीवारों से घेरा गया था।
- दुर्ग में प्रवेश के लिए अच्छी तरह सुरक्षित प्रवेशद्वार थे जो शहर को मुख्य सड़कों से जोड़ते थे।

LET'S LEARN TOGETHER

- क़िलेबंद बस्ती में जाने के लिए बने प्रवेशद्वार पर बनी मेहराब और साथ ही द्वार के ऊपर बनी गुंबद तुर्की सुल्तानों द्वारा प्रवर्तित स्थापत्य के चारित्रिक तत्त्व माने जाते हैं।
- कला-इतिहासकार इस शैली को इंडो-इस्लामिक (हिंद-इस्लामी) कहते हैं क्योंकि इसका विकास विभिन्न क्षेत्रों की स्थानीय स्थापत्य की परंपराओं के साथ संपर्क से हुआ।



शहरी केंद

- शहरी केंद्र की ओर जाने वाली सड़कों पर चलें तो सामान्य लोगों के आवासों के अपेक्षाकृत कम पुरातात्विक साक्ष्य हैं।

- पुरातत्वविदों ने कुछ स्थानों, जिनमें शहरी केंद्र का उत्तर-पूर्वी कोना भी शामिल है, में परिष्कृत चीनी मिट्टी पायी है और उनका यह सुझाव है कि हो सकता है इन स्थानों में अमीर व्यापारी रहते हों।



ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- यह मुस्लिम रिहायशी मुहल्ला भी था। यहाँ स्थित मक़बरों तथा मस्ज़िदों के विशिष्ट प्रमाण से ऐसा पता चलता है।
- सामान्य लोगों के आवासों, (जो अब अस्तित्व में नहीं हैं,) का सोलहवीं शताब्दी का पुर्तगाली यात्री बरबोसा कुछ इस प्रकार वर्णन करता है: "लोगों के अन्य आवास छप्पर के हैं, पर फिर भी सुदृढ़ हैं, और व्यवसाय के आधार पर कई खुले स्थानों वाली लंबी गलियों में व्यवस्थित हैं।"

LET'S LEARN TOGETHER

राजकीय केंद्र

- राजकीय केंद्र बस्ती के दक्षिण-पश्चिमी भाग में स्थित था।
- इसमें 60 से भी अधिक मन्दिर सम्मिलित थे।
- स्पष्टतः मन्दिरों और संप्रदायों को प्रश्रय देना शासकों के लिए महत्त्वपूर्ण था जो इन देव-स्थलों में प्रतिष्ठित देवी-देवताओं से संबंध के माध्यम से अपनी सत्ता को स्थापित करने तथा वैधता प्राप्त करने का प्रयास कर रहे थे।

LET'S LEARN TOGETHER

- लगभग तीस संरचनाओं की पहचान महलों के रूप में की गई है। इन संरचनाओं तथा मंदिरों के बीच एक अंतर यह था कि मंदिर पूरी तरह से राजगिरी से निर्मित थे जबकि धर्मेतर भवनों की अधिरचना विकारी वस्तुओं से बनाई गई थी।

महानवमी डिब्बा

इस क्षेत्र की कुछ अधिक विशिष्ट संरचनाओं का नामकरण भवनों के आकार और साथ ही उनके कार्यों के आधार पर किया गया है। "राजा का भवन" नामक संरचना अंत:क्षेत्र में सबसे विशाल है परंतु इसके राजकीय आवास होने का कोई निश्चित साक्ष्य नहीं मिला है। इसके दो सबसे प्रभावशाली मंच है।

- "सभा मंडप"
- "महानवमी डिब्बा"

LET'S LEARN TOGETHER

- **सभा मंडप:-** सभा मंडप एक ऊँचा मंच है जिसमें पास-पास तथा निश्चित दूरी पर लकड़ी के स्तंभों के लिए छेद बने हुए हैं।
- इसमें दूसरी मंज़िल, जो इन स्तंभों पर टिकी थी, तक जाने के लिए सीढ़ी बनी हुई थी।



- स्तंभों के एक दूसरे से बहुत पास-पास होने से बहुत कम खुला स्थान बचता होगा।

- इसलिए यह स्पष्ट नहीं है कि यह मंडप किस प्रयोजन के लिए बनाया गया था।

महानवमी डिब्बा:- शहर के सबसे ऊँचे स्थानों में से एक पर स्थित "महानवमी डिब्बा" एक विशालकाय मंच है जो लगभग 11000 वर्ग फीट के आधार से 40 फीट की ऊँचाई तक जाता है।



ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- ऐसे साक्ष्य मिले हैं जिनसे पता चलता है कि इस पर एक लकड़ी की संरचना बनी थी।
- इस संरचना से जुड़े अनुष्ठान, संभवत: सितंबर तथा अक्टूबर के शरद मासों में मनाए जाने वाले दस दिन के हिंदू त्यौहार, जिसे दशहरा (उत्तर भारत), दुर्गा पूजा (बंगाल में) तथा नवरात्री या महानवमी (प्रायद्वीपीय भारत में) नामों से जाना जाता है, के महानवमी (शाब्दिक अर्थ, महान नवाँ दिवस) के अवसर पर निष्पादित किए जाते थे।

LET'S LEARN TOGETHER

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इस अवसर पर विजयनगर शासक अपने रुतबे, ताक़त तथा अधिराज्य का प्रदर्शन करते थे।
- इस अवसर पर होने वाले धर्मानुष्ठानों में मूर्ति की पूजा, राज्य के अश्व की पूजा, तथा भैंसों और अन्य जानवरों की बलि सम्मिलित थी।
- नृत्य, कुश्ती प्रतिस्पर्धा तथा साज़ लगे घोड़ों, हाथियों तथा रथों और सैनिकों की शोभायात्रा और साथ ही प्रमुख नायकों और अधीनस्थ राजाओं द्वारा राजा और उसके अतिथियों को दी जाने वाली औपचारिक भेंट इस अवसर के प्रमुख आकर्षण थे।

- क्या "महानवमी डिब्बा" जो आज अस्तित्व में है, वह इस विस्तृत अनुष्ठान का केंद्र था?
- विद्वानों का मानना है कि संरचना के चारों ओर का स्थान सशस्त्र आदमियों, औरतों तथा बड़ी संख्या में जानवरों की शोभायात्रा के लिए पर्याप्त नहीं था।
- राजकीय केंद्र में स्थित कई और संरचनाओं की तरह यह भी एक पहेली बना हुआ है।

LET'S LEARN TOGETHER

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

राजकीय केंद्र में स्थित अन्य भवन

- राजकीय केंद्र के सबसे सुंदर भवनों में एक लोटस (कमल) महल है, जिसका यह नामकरण उन्नीसवीं शताब्दी के अंग्रेज़ यात्रियों ने किया था।
- लेकिन इतिहासकार इस बारे में निश्चित नहीं हैं कि यह भवन किस कार्य के लिए बना था।

मैकेन्ज़ी :- यह परिषदीय सदन था जहाँ राजा अपने परामर्शदाताओं से मिलता था।

LET'S LEARN TOGETHER

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



LET'S LEARN TOGETHER

कमल महल

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- अधिकांश मन्दिर धार्मिक केंद्र में स्थित थे, लेकिन राजकीय केंद्र में भी कई थे। इनमें से, एक अत्यंत दर्शनीय को हज़ार राम मन्दिर कहा जाता है। संभवत: इसका प्रयोग केवल राजा और उनके परिवार द्वारा ही किया जाता था।
- मन्दिर की आंतरिक दीवारों पर उत्कीर्णित रामायण से लिए गए कुछ दृश्यांश सम्मिलित हैं।



हज़ार राम मन्दिर की दीवारों पर मूर्तिकला